Estd.2015 Reg. No. : 1101/19

FUNDAMENTAL AGRO S.CENTRE

Regd & Zonal Off: Room No-103-104, Vijay & Son's Market, Raniganj Road, Araria,
Run & Managed By: H.H.L.F with the collaboration of IGPL & SS Innovegic Edge Pvt Ltd
Contact: 7366881924, Email: hhlfbihar@gmail.com, Website: hhlf.org.in

OUR AIM & AMBITIONS TOWARDS VANILLA CULTIVATION & SELF-EMPLOYMENT

अब बिहार के किसान भी करेंगे वैनिला की खेती। इस से किसान होंगे समृद्ध।

➡ वैनिला एक सुगन्धित पदार्थ है जो वैनिला ऑर्किड से प्राप्त होता है। जिस का प्रयोग खाने पीने की वस्तुओं में जैसे आइसक्रीम, होर्लिक्स, प्रोटीन पाउडर, केक, चॉकलेट, एनर्जी ड्रिंक्स तथा परफ्यूम, ब्यूटी सामिग्री इत्यदि में बड़े पैमाने पर की जाती है। यही नहीं बल्कि इस से बहुत सारी औषधियां और मसाले भी बनाए जाते हैं। इसी लिए वैनिला औषधीय पौधों की श्रेणी में आता है।

➡ भारत में वैनिला की खेती पिछले कई दशकों से कई राज्यों में हो रही है। इन राज्यों के किसान वैनिला की खेती कर के आर्थिक रूप से समृद्ध होते जा रहे हैं। इसी लिए हमारी संस्था ने बिहार के किसानों की समृद्धि के लिए "वैनिला कल्टीवेशन प्रोग्राम" को शरू करने का निर्णय लिया। वैनिला की खेती के लिए बिहार की जलवायु बहुत ही अनुकूल है। बिहार के किसानों के लिए वैनिला एक नगदी फसल होगी। वैनिला की खेती आने वाले समय में एक उद्योग का रूप धारण करेगी।

➡ वैनिला एक बेलदार पौधा होता है। वैनिला की खेती करने के लिए बहुत जगह की आवश्यकता नहीं होती है। इसे घर के आगे पीछे की खाली जगहों में लगाया जा सकता है। वैनिला के पौधों को छायादार जगहों पर जहाँ पेड़ इत्यादि हों लगाना उपयुक्त होता है।

➡ वैनिला के पौधे का जीवन काल 20 वर्षों का होता है। यह एक ऐसा फसल है जिस का फल और क्रीपर (लत्ती) दोनों बिकता है। इस के सूखे फली (Vanilla Beans) की कीमत 30 से 40 हज़ार रूपये प्रति किलो तक होती है। वैनिला दो साल के अंदर फूल और फल देने योग्य हो जाता है। इसे लगाने के बाद इस की देख भाल करना बहुत ज़रूरी है। वैनिला के फूलों का प्रागण हाथों से करना होता है। जिस के लिए किसानों को समय समय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

➡ वैनिला की खेती बेहतर ढंग से हो इस के लिए संस्था द्वारा जिला, प्रखंड, पंचायत एवं वार्ड स्तर पर बहु स्तरीय संरचना का निर्माण किया गया है। ताकि किसानों तक योजना का लाभ ससमय पहुँच सके। इस मुहीम में कोई भी बुद्धिजीवी अपना सहयोग संस्था से जुड़ कर प्रतिनिधि के रूप में दे सकते हैं। उन्हें हमारे मेनिफेस्टो के अनुसार अपने अपने स्तर का लाभ प्राप्त होगा।

➡ हमारे संस्था का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध करना और बेरोजगारों को रोजगार का एक बेहतर अवसर प्रदान करना है। हम आगे किसानों के लिए और भी इसी प्रकार के औषधीय खेती की जानकारी उपलब्ध करवाएंगे ताकि हमारे किसानों को आर्थिक आज़ादी मिल सके। निःसंदेह यह किसानों के जीवन मैं एक नयी आर्थिक क्रांति होगी ।

वैनिला की खेती हेतु भूमि का चयन

➡ वैनिला की खेती परम्परागत तरीके से नहीं होती है। इसकी कृषि वैज्ञानिक तरीके से अत्यन्त सावधानी पूर्वक की जाती है। इसमें किसान को अधिक मिहनत तो करनी ही पड़ती है साथ ही इसके कृषिकरण से पूर्व अन्य तकनीकि बिन्दुओं को ध्यान में रखना पड़ता है जैसे-मिट्टी की किस्म, पानी, क्षेत्र में नमी का स्तर, तापमान, भूमि का प्रकार, आधार, वृक्षों की उपलब्धता आदि । इसकी खेती हेतु वैसी भूमि उपयुक्त मानी जाती

है जिसमें ह्यूमस की प्रचुरता अत्यधिक होती है। हालाँकि विभिन्न प्रकार की मिट्टियों जैसे-सैण्डी लोम से लेकर लैटेराइट किस्म की मिट्टियों में वैनिला उगाया जा रहा है।

➡ प्रचुर कार्बनिक तत्वों और समुचित जल निकास की व्यवस्था के साथ लोमी लैटेराइट मिट्टी वेनिला के लिए सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है। कार्बनिक तत्व और सड़े हुए घास-फूस पौधों के लिए पोषक तत्वों का मुख्य स्त्रोत होते हैं।. इस प्रकार की मिट्टियाँ नर्म और नमीयुक्त होती है जो जड़ों को फैलने में सहायक होती है। यद्यपि वैनिला रेतीली से दोमट एवं लाल मिट्टी तक विभिन्न प्रकार की मिट्टियों में उगाई जा रही है लेकिन ढलवां जमीन पर भुरभुरी मिट्टी में इसकी बढ़त अच्छी होती है। वैनिला की कृषि के लिए ह्यूमस एवं कार्बनिक तत्वों से समृद्ध मिट्टी जरूरी होती है। शुद्ध मिट्टी, पथरीली जमीन, कठोर लैटेराइट्स एवं लवणीय तथा क्षारीय भूमि वैनिला की वृद्धि के लिए उपयुक्त नहीं है।

भूमि की तैयारी

➡ वैनिला के कृषिकरण हेतु भूमि तैयार करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी लताओं को बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार उपलब्ध हो । ये आधार बांस या पेड़ के खम्भों, छोटे आकार के पेड़, पौधे, शाखा, लकड़ी के खूँटे, लोहे के -पाईप हो सकते हैं। यदि वैनिला की खेती में सहारे के लिए पेड़-पौधों का आधार उपलब्ध कराने की योजना हो तो ये पेड़-पौधे वैनिला के कलमों के रोपण से बहुत पहले लगा दिये जाने चाहिए ताकि ये वैनिला की तलाओं को बढ़ने में समय पर सहायक हो सके । इसकी खेती के लिए प्रथम चरण में घर के बगल की भूमि का चुनाव करना अति आवश्यक होगा जो भूमि बेकार पड़ी है या फिर उसमें अन्य प्रकार की सब्जियाँ उगाई जा रही हो । अधिकाशतः ऐसी भूमि कम्पोस्ट तथा कार्बनिक तत्वों से समृद्ध होती है। परन्तु, इस बात का ध्यान अवश्य रखें-वैनिला की कृषि करने वाले भूमि में कच्चे गोबर की विद्यमानता इसके पौधों के लिए जहर से कम नहीं समझा जाता । इसके आसपास भी कच्चे गोबर के भंडारण से बचें । यह भी ध्यान रखें कि इस भूमि में पके हुए गोबर की मात्रा (दो वर्ष पूर्व का) 10% से ज्यादा नहीं हो ।

➡ अब योजनाबद्ध पौधों के रोपाई हेतु नौ फीट चौड़ी तथा अठारह फीट लम्बी (9'X18') भूमि निर्धारित करें । इस भूमि को कुदाल से एक फीट गहरा बड़े आकार का ढेलादार मिट्टी का अलगाव करें। इसे पन्द्रह दिनों तक सूर्य के प्रकाश में स्वतंत्र रूप से पकने दें । पुनः इस ढेलादार मिट्टी को फोड़कर 50-100 ग्राम तक के आकार का ढेलादार मिट्टी बनावें । पुनः इसे एक सप्ताह तक सूर्य के प्रकाश में अच्छी तरह सूखने दें । तत्पश्चात् गेहूँ और मसूर जौ के महीन भूसे (उपलब्धता के आधार पर दोनों या दोनों में से कोई एक) साढ़े तीन किलोग्राम तथा साढ़े तीन किलोग्राम 24 महीने पूर्व का सड़ा हुआ गोबर मिट्टी के साथ अच्छी तरह मिला दें और इसमें पर्याप्त पानी डालकर एक सप्ताह छोड़ दें । एक सप्ताह बाद या मिट्टी अच्छी तरह सूख जाने पर मिट्टी को उलट-फेर कर अच्छी तरह मिलावें तथा पुनः पानी डालकर इसे पैन्द्रह दिनों तक सूर्य के प्रकाश में सूखने दें ।

➡ वैनिला आर्किडेसी परिवार का एक आरोही (बेलनुमा) पौधा है जो पेड़ों पर चढ़कर या अन्य किसी सहारे द्वारा विकास करती है। इसकी पत्तियाँ मांसल व गहरे हरे रंग की होती है। केसर के बाद यह सर्वाधिक मूल्यवान औषधि एवंनशाला है। वैनिला एक बारहमासी फसल है। परन्तु, वर्ष में एक ही बार फल देता है। कहने को 110 प्रजातियों का पता लगाया जा चुका है, किन्तु, दो-तीन प्रजातियों जैसे-"वैनिला प्लेनिफोलिया", "वैनिला टाहिटैन्टिस" एवं "वैनिला पोम्पोना" को ही आर्थिक दृष्टि से कृषि योग्य पाया गया है। इसमें से वैनिला प्लेनिफोलिया वे सर्वाधिक उपयुक्त किस्म का वैनिलीन प्राप्त होता है। यही कारण है कि वैनिला की इस प्रजाति को विश्व के सबसे अधिक भू-भाग में उगाया जा रहा है।

➡ -वैनिला की लता का जीवन-काल यों तो अधिक होता है किन्तु फसल कं दृष्टिकोण से रोपण के यह 15-20 साल तक़ ही आर्थिक रूप से लाभकारी है। लगभग 15-20 साल की आयु होने के बाद वैनिला की बेल की उत्पादकता घटने लगती है। इसकी लता अपने आयुकाल में 15 मीटर से अधिक ऊँचाई तक बढ़ती है। इसलिए यह ध्यान दिया जाता है कि यह लता आधार खम्भों एवं आधार वृक्षों के डेढ़ से दो मीटर के इर्द-गिर्द ही लिपटती रहे। वैनिला को लगाने के लिए ऐसा समय आदर्श माना जाता है जब मौसम न तो ज्यादा बरसात वाला हो और न ही ज्यादा शुष्क । भारत में सितम्बर मध्य से अक्टूबर का महीना रोपण के लिए आदर्श माना जाता है। वैनिला 25-35° से० तापमान व नम जलवायु में सामान्य रूप से उत्पादन देता है। एक पौधा प्रत्येक वर्ष सामान्य रूप से 4-5 किलो सूखा वीन (पॉड्स) उत्पादित करता है।

किसानों के चयनोपरांत प्रतिनिधयों द्वारा 5 वैनिला प्लांट कुछ शर्तों पर दिया जाएगा।